हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 16 : जौनपुर, मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

अब त्योहारों में चीन नहीं, यूपी का ओडीओपी उपहार के रूप में दिया जाता है : योगी

एजेन्सी

भदोही। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के किसी देश में जाते हैं तो वहां के राष्ट्राध्यक्ष को उत्तर प्रदेश के उद्यमियों द्वारा बनाए गए परंपरगात उत्पाद भेंट करते हैं। इससे हमारे हस्तशिल्पियों का सम्मान को बढ़ता है। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को कार्पेट एक्सपो मार्ट में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला के 45वें संस्करण का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अब पर्व और त्योहारों में चीन निर्मित प्रोडक्ट नहीं, बल्कि यूपी का ओडीओपी दिया जाता है। प्रदेश के हस्तशिल्पी और कारीगर हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। एक जिला, एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान की योजना ने मात्र चार वर्ष में उत्तर प्रदेश के निर्यात को ढाई सौ गुना बढ़ाने में मदद की है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के अंदर कालीन उद्योग का निर्यात लगभग 17,000 करोड़ का है, इसमें 60 प्रतिशत योगदान उत्तर प्रदेश के तीन जनपद भदोही, मिरजापुर और वाराणसी का है। यही कारण है कि 'टाउन्स ऑफ एकस्पोर्ट एक्सीलेंस टेक' अवार्ड भी भदोही को मिला है। सीएम योगी ने कहा कि नोएडा में आयोजित हुआ इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का माध्यम बना था। यह अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला भी उत्तर प्रदेश की क्षमता को प्रदर्शित करने का दूसरा अवसर बनकर हमारे सामने आया है। यह मेला प्रधानमंत्री मोदी के मेकिंग इंडिया और वोकल फॉर लोकर एवं लोकल फॉर ग्लोबल विजन को एक नई ऊंचाई प्रदान करने का अभियान है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जैसे ही प्रदेश के हस्तशिल्पियों को प्लेटफॉर्म उपलब्ध ा कराया तो हमारे हस्तशिल्पी वैश्विक मंच पर अपनी धाक जमाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मेले में 68 देशों के 450 से अधिक खरीदार इसका बड़ा उदाहरण है। सीएम योगी ने मेला में लगी कालीनों का अवलोकन किया और बटन दबाकर नए कालीन लेबल को लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने दो बुनकर महिलाओं को शाल देकर सम्मानित किया। इसमें माधुरी देवी और महाजबीन शामिल थीं। नवनिर्मित संसद भवन में बिछाई गई हस्तनिर्मित कालीन के निर्माण में माधुरी देवी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं, महाजबीन ने 400 महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के द्वारा आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग कर रही हैं। सीएम योगी ने कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक प्रदान किया। उन्होंने ओडीओपी के दो लाभार्थियों को टूल किट और चेक वितरित किया। यही नहीं ओडीओपी मार्जिन मनी योजना के अंतर्गत उन्होंने दो लाभार्थियों को दो–दो करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस की यात्रा पर

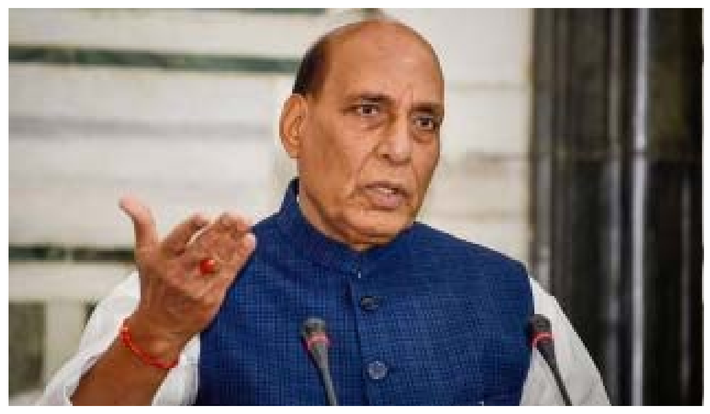

एजेन्सी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्विपक्षीय सामरिक भागीदारी बढ़ाने तथा सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास के मद्देनजर औद्योगिक सहयोग तलाशने के लिए सोमवार से इटली और फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो देशों की यात्रा के पहले चरण में सिंह रोम जाएंगे, जहां वह इटली के रक्षा मंत्री गुइदो क्रिसेतो से व्यापक चर्चा करेंगे। मार्च में इतालवी प्रध ाानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच सामरिक साझेदारी मजबूत हुई थी। मंत्रालय ने कहा, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नौ से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस की यात्रा करेंगे। पेरिस में सिंह फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु के साथ पांचवें वार्षिक भारत–फ्रांस रक्षा संवाद में भाग लेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारत और फ्रांस ने हाल में रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे किए। दोनों देशों के अहम औद्योगिक सहयोग समेत गहरे और व्यापक द्विपक्षीय रक्षा संबंध हैं। इसमें कहा गया है, ''रोम और पेरिस में रक्षा मंत्री औद्योगिक सहयोग के संभावित अवसर पर चर्चा करने के लिए रक्षा उद्योग के सीईओ और वरिष्ठ प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि रोम और पेरिस में सिंह की बातचीत में सैन्य मंचों के संयुक्त विकास की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाएगी। इस बीच, राफेल विमान के 26 नौसैन्य संस्करण की भारत की प्रस्तावित खरीद के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए दसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एरिक ट्रैपियर के इस सप्ताह नयी दिल्ली आने की संभावना है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि ट्रैपियर खरीद पर प्रारंभिक बातचीत के लिए दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को दिल्ली आएंगे। बहरहाल, दसॉल्ट एविएशन ने इस यात्रा की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जुलाई में फ्रांस गए थे और उस दौरान दोनों देशों ने विमानों और हेलीकॉप्टरों के इंजन के संयुक्त विकास और भारतीय नौसेना के लिए तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के निर्माण समेत कई महत्वपूर्ण रक्षा सहयोग परियोजनाओं की घोषणा की थी।

सरकार की नीतियों से देश में बढ़ी अमीरी-गरीबी की खाई : खडगे

एजेन्सी

नयी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए उसकी नीतियों को विभाजनकारी करार देते हुए कहा कि महंगाई एवं बेरोजगारी चरम पर है और संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ा जा रहा है तथा अमीरी–गरीबी की खाई लगातार बढ़ रही है। श्री खडगे ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति–सीडब्लूसी को संबोधि ात करते हुए कहा कि विभाजनकारी नीतियां देश के लिए चिंताजनक है। मोदी सरकार की नीतियों से अमीर और गरीब की खाई लगातार बढ रही है। संवैधानिक मूल्यों और संघीय ढांचे पर हमला हो रहा है तथा सामाजिक तनाव पैदा किया जा रहा है। महिला आरक्षण को लेकर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कि सच्चाई यह है कि महिलाओं को शक्ति देने का काम सबसे अधिक कांग्रेस ने ही किया है। उनका कहना था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की दूर दृ ष्टि के कारण पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिला और उसी वजह से दुनिया में सबसे ज्यादा करीब 14 लाख चुनी हुई महिलाएं भारत में हैं। उन्होंने मोदी सरकार की महिला आरक्षण नीति को गुमराह करने वाला बताया और कहा कि आज देश भर में लोग यही सोच रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ओबीसी महिलाओं को महिला आरक्षण के दायरे में क्यों नहीं रखा। यही नहीं महिला आरक्षण को उलझाने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्त रख दी है और यह भी पता ही नहीं चल रहा है कि ये हकीकत कब बनेगा। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आने पर ओबीसी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी तय करने के साथ ही महिला आरक्षण तुरंत लागू करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा "आज देश में कमरतोड़ महंगाई है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में बनाएगी सरकार : नड्डा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देश के पांच राज्यों – मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव आयोग द्वारा विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए यह दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी। चुनाव आयोग द्वारा विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी। आपको बता दें कि सोमवार को चुनाव आयोग ने देश के पांच राज्यों–मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधान सभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। पांचों राज्यों के चुनावी नतीजे एक ही दिन 3 दिसंबर को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिल्ली में चुनाव की तारीखों को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि मिजोरम में राज्य के विधान सभा चुनाव के लिए 7 नवंबर, मध्य प्रदेश में विधान सभा के चुनाव के लिए 17 नवंबर, राजस्थान में विधान सभा चुनाव के लिए 23 नवंबर और तेलंगाना में विध ाान सभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होगा। वहीं छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव के लिए दो चरणों में 7 नवंबर को 20 सीटों पर और 17 नवंबर को बाकी बची 70 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। पांचों राज्यों में एक ही दिन, 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

नए मकानों की आपूर्ति में सस्ते घरों की हिस्सेदारी घटकर 18: पर आई : एनारॉक

एजेन्सी

नयी दिल्ली। बिल्डर अब 40 लाख रुपए या इससे कम कीमत के मकानों की पेशकश में कमी ला रहे हैं। एनारॉक की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में नए घरों की पेशकश में सस्ते या किफायती मकानों का हिस्सा घटकर मात्र 18 प्रतिशत रह गया है। जुलाई–सितंबर 2018 में कुल नए मकानों की पेशकश में सस्ते घरों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत थी। एनारॉक के सात प्रमुख शहरों पर आंकड़ों के अनुसार, जुलाई–सितंबर 2023 के दौरान नए घरों की कुल आपूर्ति 1,16,220 इकाई रही। इसमें सस्ते या किफायती घरों का हिस्सा 20,920 इकाई या 18 प्रतिशत रहा। जुलाई–सितंबर 2018 में नए घरों की कुल आपूर्ति 52,120 इकाई थी, जिनमें से 21,900 (42 प्रतिशत) किफायती घर थे। वित्त वर्ष 2019 की तीसरी तिमाही में नई आपूर्ति में सस्ते घरों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत थी, जो 2021 की तीसरी तिमाही में घटकर 24 प्रतिशत रह गई। एनारॉक की रिपोर्ट में सात शहरों...दिल्ली–एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के आंकड़ों को शामिल किया गया है। माना जा रहा है कि बिल्डर अब अधिक मुनाफा कमाने के लिए लक्जरी आवासीय परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सस्ते मकानों में मुनाफे का मार्जिन भी कम रहता है। इसके अलावा जमीन की ऊंची लागत की वजह से आज किफायती आवासीय परियोजनाएं बिल्डरों के लिए आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रह गई हैं। एनारॉक ने कहा कि जहां कुल नई आपूर्ति में किफायती घरों की हिस्सेदारी कम हो रही है, वहीं 1.5 करोड़ रुपए से अधि ाक कीमत वाले लक्जरी घरों की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। वास्तव में पिछले पांच साल में यह तीन गुना हो गई है। शीर्ष सात शहरों में जुलाई–सितंबर में पेश की गई 1,16,220 इकाइयों में से 27 प्रतिशत (31,180 इकाइयां) लक्जरी श्रेणी में थीं। एनारॉक ने कहा, ''यह पिछले पांच साल में लक्जरी मकानों की आपूर्ति का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। वित्त वर्ष 2018 की तीसरी तिमाही में लक्जरी घरों की कुल आपूर्ति में हिस्सेदारी सिर्फ नौ प्रतिशत थी। उस समय पेश की गई 52,120 इकाइयों में से केवल 4,590 लक्जरी श्रेणी की थीं। एनारॉक समूह के क्षेत्रीय निदेशक एवं शोध– प्रमुख प्रशांत ठाकुर ने कहा, ''महामारी के बाद शानदार प्रदर्शन के कारण डेवलपर्स लक्जरी आवास खंड को लेकर उत्साहित हैं।

राज ठाकरे की धमकी, टोल टैक्स बंद करो नहीं तो टोल बूथ जला देंगे

एजेन्सी

मुंबई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने टोल टैक्स को राज्य का सबसे बड़ा श्घोटालाश करार देते हुए सोमवार को सड़क टोल टैक्स व्यवस्था को खत्म करने की मांग की, ऐसा नहीं करने पर टोल बूथ जलाने की धमकी दी। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मनसे नेता ने कहा कि बहुत जल्द उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सभी टोल बूथों पर जाएंगे और छोटे वाहनों से टोल टैक्स की वसूली को रोकेंगे। राज ठाकरे ने धमकी दी,"मैं कुछ दिनों में सीएम एकनाथ शिंदे के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा और देखूंगा कि क्या प्रतिक्रिया मिलती है३ इसके बाद, मेरे लोग सभी टोल संग्रह चौकियों पर जाएंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी छोटे वाहनों से टोल एकत्र न किया जाए। अगर सरकार हमारे खिलाफ कार्रवाई करती है, तो हम उन टोल बूथों को जला देंगे। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने दोहराया कि सड़क टोल टैक्स राज्य का ष्सबसे बड़ा घोटालाष है, और सवाल किया कि हर साल उन्हीं कंपनियों को टोल संग्रह का ठेका क्यों मिलता रहता है। राज ठाकरे ने कहा, "हम पहले से ही रोड टैक्स दे रहे हैं, फिर हमें टोल टैक्स भी क्यों देना चाहिए? इन टोल–बूथों से एकत्र किया गया भारी भरकम टोल राजस्व वास्तव में कहां जा रहा है? इसके बावजूद, बिना किसी सुविध ाा के सड़कों और राजमार्गों की स्थिति दयनीय बनी हुई है।"

प्रारंभिक प्रतिक्रिया में, डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि चार पहिया वाहनों सहित सभी छोटे वाहनों को सरकार के निर्देश के अनुसार टोल टैक्स का भुगतान करने से छूट दी गई है। राज ठाकरे ने पिछले तीन दशकों में लगातार सरकारों की आलोचना की, जिन्होंने टोल टैक्स खत्म करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इस मामले में कुछ नहीं किया गया है। प्रभाव के लिए अपनी ट्रेडमार्क शैली श्लाव रे ते वीडियोश (वह वीडियो चलाएं) पर लौटते हुए, राज ठाकरे ने दिवंगत गोपीनाथ मुंडे, पूर्व सीएम देवेंद्र फड़नवीस और उद्धव ठाकरे और डिप्टी सीएम अजीत पवार जैसे नेताओं के पुराने वीडियो भी चलाए।

अधिकारी न सुने तो उनके मुंह पर थूक दो...फटे जूते की माला पहनाओ, राजद विधायक सुधाकर सिंह के बिगड़े बोल

एजेन्सी

पटना। अपने बेबाक अंदाज से सुर्खियों में रहने वाले राजद विध ाायक और बिहार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपने ही सरकार के अधिकारियों के खिलाफ शब्दों के बाण चलाएं हैं। कैमूर में सुधाकर सिंह ने एक सभा को संबोधित करते हुए अपने समर्थकों को समझाया कि बगैर लाठी–डंडे के कैसे बिहार के अधिकारियों को ठीक किया जा सकता है। सुधाकर सिंह ने कहा–अधिकारियों को ठीक करने का आसान तरीका है। उनके मुंह पर थूक दो। कलक्टर के मुंह पर सौ आदमी थूकियेगा तो कौन दफा लगाकर आपको जेल भेजेगा। कोई दफा लगेगा क्या? सुध ााकर सिंह यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों को फूल का माला क्यों पहनाते हैं। कलक्टर और अधिकारियों के गले में फटा हुआ जूते का माला लटका दीजिए। कौन दफा लगेगा। कोई दफा नहीं लगने वाला। सुधाकर सिंह ने कहा आज से फूल का माला पहनाना बंद कर दीजिए। जो कह रहे हैं वैसा करके देखिए, अधिकारी इस्तीफा देकर भाग जाएगा। सिर फोड़िएगा तो धारा 302 या 307 का केस हो जाएगा। लेकिन जो हम कह रहे हैं, उसे करके देखिए। कुछ नहीं होगा।सुधाकर सिंह के इस बयान के बाद राजद की सहयोगी पार्टी जदयू ने कड़ा एतराज जताया है। जदयू एमएलसी खालिद अनवर ने कहा है कि सुधाकर सिंह यह अनार्किस्ट वाला बयान है। यह बयान दर्शाता है कि सुधाकर सिंह मेंटली हेल्दी नहीं है। उन्हें इस तरह की बयान नहीं देना चाहिए। डेमोक्रेसी में ब्यूरोक्रेसी की बड़ी अहमियत है। सारी पॉलिसी और एकाउंटेंसी की जवाबदेही ब्यूरोक्रेसी के पास होती है। अगर ऐसा लगता है कि कोई अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं। तो उनके लिए एक मैकेनिज्म बना हुआ है। इस तरह की बातों से कोई स्टेट नहीं चलता है। ये तो जंगल राज वाली बात हो गई। हमारे नेता नीतीश कुमार ने एक डिसिप्लिन कायम किया है स्टेट के अंदर। इस तरह के बयानों को हम रिजेक्ट करते हैं और उम्मीद करते हैं कि सुधाकर सिंह इस तरह के बयानों से बचेंगे। वहीं सुधाकर सिंह के बयान पर भाजपा विधायक नीरज कुमार बबलू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो बात हम लोग पहले से कहते थे बिहार में अधिकारियों का बोलबाला है। अधिकारी अपने हिसाब से सरकार चलाते हैं। यहां विधायक मंत्री का कुछ नहीं चलता है। वह बात अब सामने आया है। जहां तक थूक फेंकने वाली बात कर रहे हैं। इसका सही जवाब जगदा बाबू, लालू प्रसाद या तेजस्वी देंगे। आपको बता दें कि सुधाकर सिंह बिहार सरकार के पूर्व कृषि मंत्री रह चुके हैं। जब पिछले साल बिहार में माहागठबंधन की सरकार बनी थी तो उन्हें कृषि मंत्री बनाया गया था। उसी समय से सुध ााकर सिंह बिहार में अफसरशाही पर आवाज उठाते रहे और उन्होंने कृषि मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

शुद्ध शून्य उत्सर्जन का 2070 का लक्ष्य कुछ अधिक दीर्घकालिक : पुरी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि शुद्ध शून्य कॉर्बन उत्सर्जन का 2070 का लक्ष्य 'कुछ अधिक दीर्घकालिकश है। उन्होंने संकेत दिया है कि देश इस लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर सकता है। शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के तहत भारत को 2070 तक शतप्रतिशत अक्षय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित होना है।

पुरी ने सोमवार को यहां 26वीं ऊर्जा प्रौद्योगिकी बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''2070 तक हमारा शुद्ध शून्य लक्ष्य थोड़ा अधिक लंबा है।श उन्होंने कहा कि भारत तेजी से ऊर्जा बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गेल, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और अन्य ने ऊर्जा बदलाव के लिए 2035 से 2040 का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि भारत में ऊर्जा बदलाव पहले जीवाश्म आधारित से स्वच्छ ईंधन और फिर नवीकरणीय ऊर्जा की ओर होगा। इजराइल–फलस्तीन संघर्ष पर उन्होंने कहा कि इस तरह के संकट ऊर्जा को जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा आदि की ओर तेजी से ले जाते हैं।

इजराइल-हमास के बीच युद्ध में अब तक 1500 से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल ने गाजा से अप्रत्याशित घुसपैठ के बाद सोमवार को फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। तीन दिवसीय संघर्ष में पहले ही दोनों पक्षों के 1,100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जबकि इजराइल में 44 सैनिकों सहित 700 से अधिक लोग मारे गए हैं। प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास का आक्रमण एक लंबे और चुनौतीपूर्ण युद्ध की शुरुआत थी और उन्होंने आतंकवादी समूह के ठिकानों को नष्ट करने की कसम खाई। इस बीच इजरायली हवाई हमलों को सहन करने वाले गाजा के अधि ाकारियों ने कम से कम 413 लोगों की मौत की सूचना दी है। हमास ने भी इजराइल पर हजारों रॉकेट दागे और लड़ाकों की एक लहर भेजी, जिन्होंने नागरिकों को मार डाला और कम से कम 100 बंधक बना लिए। इजरायली बचाव सेवा जका ने बताया कि उनके पैरामेडिक्स ने हमास के हमले का शिकार हुए एक संगीत समारोह से लगभग 260 शव बरामद किए हैं। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो में त्योहार पर आए लोगों को हमले के बाद बदहवास भागते और वाहनों में शरण लेते हुए दिखाया गया है। जहां संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई सदस्यों ने रविवार को हमास की निंदा की, वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका ने सर्वसम्मति के अभाव पर खेद व्यक्त किया। एक आपातकालीन सत्र के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल दोनों ने फिलिस्तीनी इस्लामवादियों की कड़ी निंदा का आह्वान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ष्हमास द्वारा इस अभूतपूर्व आतंकवादी हमले का सामना करने के लिए इजराइल के लिए अतिरिक्त समर्थनष का आदेश दिया।

रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड विमानवाहक पोत और युद्धपोतों के समूह को पूर्वी भूमध्य सागर के लिए निर्देशित किया, और कहा कि वाशिंगटन क्षेत्र में लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन बढ़ा रहा है।

सम्पादकीय

पदकों का शतक

यह सुखद ही है कि भारत ने एशियाड के 72 साल के इतिहास में पहली बार पदकों का सैकड़ा पार किया। जीत की प्रतिबद्धता लिये खिलाड़ियों ने कुल 107 पदक जीतकर भारत को एशिया के 45 देशों में चौथे नंबर पर पहुंचा दिया। निस्संदेह, अब देश खिलाड़ियों से उम्मीद रखेगा कि आने वाले वर्षों में यह नंबर और ऊंचाइयों की तरफ जाए। जिस तरह आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा ने स्वर्णिम आभा बिखेरते हुए छह स्वर्ण पदक हासिल किये, उससे अंत भला तो सब भला की कहावत चरितार्थ हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने 14वें दिन छह स्वर्ण समेत 12 पदक जीते। यह सुखद ही है कि इस बार हांगझोऊ में बेटियों ने अपना दमखम दिखाया। पहला व सौवां पदक बेटियों ने ही जीता। जो हमारे समाज में बेटियों की इस प्रतिष्ठा को स्थापित करता है कि बेटियां कहां बेटों से कम होती हैं। लेकिन यह विडंबना ही है कि देश में एशियाड में सोना,चांदी व कांस्य पदक विजेताओं को लेकर वैसा जुनून पैदा नहीं हुआ जैसा एक छोटे क्रिकेट मैच के लिये हो जाता है। वहीं मीडिया कवरेज में भी सुधार की जरूरत है। दरअसल, क्रिकेट में बाजार की इतनी बड़ी भूमिका रहती है कि शेष खेलों को आर्थिक मदद व तरजीह नहीं मिल पाती। जबकि एशियाड में भारत की धरती में फले–फूले खेलों की पताका लहरायी है। हमने परंपरागत हाकी और कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतकर देश की प्रतिष्ठा को कायम रखा है। वैसे एथलीटों व निशानेबाजों ने भी खूब कमाल किया। सौभाग्य की बात है कि एशियाड व अन्य खेलों में आम घरों व संघर्षों की तपिश में तपे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अकसर सुनने को मिलता है कि एक सिक्योरिटी गार्ड या श्रमिक की बेटी ने सोने का तमगा जीता। वास्तव में इसे इन बच्चों की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जाना चाहिए। संसाधनों के अभाव व अच्छी डाइट न मिलने के बावजूद वे देश का सिर गर्व से ऊंचा करते हैं। विडंबना यह भी है कि जब कोई गुदड़ी का लाल अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक जीतकर लाता है तो तब हम उसे पलक–पांवड़ों पर बैठा लेते हैं। लेकिन उसके बाद हम उसे भूल जाते हैं। अकसर खबरें आती हैं कि एशियाड पदक विजेता फलां जगह में मजदूरी कर रहा था, सब्जी बेच रहा था और जरूरतों के लिये मोहताज है। हमारे देश के नीति–नियंताओं को सोचना चाहिए कि खेल प्रतिभाओं का आर्थिक पक्ष यकीनी बनाएं। उनके लिये नौकरियां सुनिश्चित की जाएं। वैश्विक स्पर्धा के स्तर के अनुरूप नौकरियों का निर्धारण हो। इससे प्रतिभाओं में एक स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित होगी। सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि खेल संघों में राजनेताओं की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगे। दूसरे, खेल प्रतिभाओं को दूर–दराज के इलाकों में तलाश कर तराशा जाए। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतकर आता है तो सरकारें लाखों–करोड़ों के पुरस्कार देने की घोषणा करती हैं। वास्तव में इन खेल प्रतिभाओं को उनकी योग्यता–क्षमता के हिसाब से पहले आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। ताकि वे अपनी खेल मेधा को तराश सकें और बेहतर परिणाम देश को दे सकें।

पाकिस्तान पर रहेगी नजर

'वॉर माइनस द शूटिंग'– यह अमेरिकी पत्रकार माइक मार्क्वीसी द्वारा 1996 के क्रिकेट विश्वकप पर लिखी गई उम्दा किताब का शीर्षक है। 27 साल बाद भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट पहले से भी ज्यादा युद्ध जैसा हो गया है। कम से कम 1996 में भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका (जिसने उस साल सबको चौंकाते हुए टूर्नामेंट जीत लिया था) विश्वकप के सह–आयोजक तो थे। आज तो ऐसी स्थिति की कल्पना तक नहीं की जा सकती। इसके बजाय भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच से पहले सीमारेखा के दोनों ही तरफ भुजाओं की जोर–आजमाइश वाली भावना उत्पन्न की जा रही है, जो दिन–ब–दिन गहराती चली जाएगी। उस मैच का अहमदाबाद में होना भी हमारे समय के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह ऐसा शहर है, जिसकी राजनीति पर बीते तीन दशकों से संघ–परिवार का वर्चस्व रहा है, जहां 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों ने हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच अलगाव को गहरा दिया था और जहां धार्मिक आधार पर एक ही शहर में विभाजक–रेखाएं खिंची हुई हैं। अनेक हिंदू–राष्ट्रवादियों के लिए तो पाकिस्तान ऐसा दुश्मन–देश है, जिसे हर कीमत पर हराना जरूरी है। ऐसे में, आश्चर्यजनक नहीं कि भाजपा के पूर्ण बहुमत से सत्ता में आने के बाद से भारत ने पाकिस्तान से खेल–सम्बंधों को कम से कम रखने का सचेत–निर्णय लिया है। उसका मंतव्य स्पष्ट है रू सीमापार आतंकवाद और क्रिकेट, दोनों एक साथ नहीं चल सकते। दिलचस्प यह है कि 2004 में भाजपा के ही प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय टीम की पाकिस्तान यात्रा का पथ–प्रशस्त किया था और वह दौरा अत्यंत सफल रहा था। वाजपेयी छह साल सत्ता में रहे। इस दौरान कारगिल की लड़ाई हुई, संसद पर हमला हुआ और कश्मीर में आतंकी वारदातें जारी रहीं। इसके बावजूद वाजपेयी ने इस उम्मीद से भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने का जोखिम उठाया कि शायद खेल के बहाने दोनों देशों के कटुतापूर्ण रिश्तों में नरमी आए। लेकिन मोदी सरकार को ऐसा कोई वहम नहीं है। 2014 में मोदी ने अपने शपथ–ग्रहण समारोह में नवाज शरीफ को न्योता देकर सबको चौंका दिया था और फिर दिसम्बर 2015 में खुद लाहौर की एक अप्रत्याशित यात्रा की थी, लेकिन पठानकोट और उरी में हुए आतंकी हमलों के बाद 'जादू की झप्पी वाली कूटनीति' का अंत हो गया। दोस्ती के प्रयासों को ताक पर रख दिया गया और पुलवामा–बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद तो 'घर में घुसकर मारा' की गर्वोक्तियां की जाने लगीं। आज यह स्थिति है कि दोनों देशों का न के बराबर राजनीतिक या आर्थिक सम्पर्क है। अगर भारत के लिए पुलवामा भी मुम्बई 26111 जैसा टर्निंग पॉइंट था तो 2019 में जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 के उन्मूलन ने भी इस बात की गुंजाइशों का अंत कर दिया कि पाकिस्तान की तरफ से भारत से किसी भी प्रकार के कूटनीतिक या व्यापारिक सम्बंध रखे जाएंगे। तब दोनों देशों के बीच क्रिकेट का तो सवाल ही नहीं उठता था। विडम्बना है कि यह ऐसे समय हुआ, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री एक महान पूर्व क्रिकेटर इमरान खान थे। 2018 में सत्ता में आने के बाद इमरान ने कहा था कि अगर भारत दोस्ती का एक कदम बढ़ाता है तो हम दो बढ़ाएंगे। लेकिन जल्द ही भारत और पाकिस्तान के रिश्ते 'जैसे को तैसा' वाले अपने चिर–परिचित रूप में आ गए। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट–सम्बंध एक अरसे से ऊहापोह की स्थिति में बने हुए हैं। बीसीसीआई का क्रिकेट की दुनिया पर दबदबा है, लेकिन पाकिस्तान के बोर्ड के पास भारत की बात मानने के सिवा कोई चारा नहीं रह गया था। तभी से क्रिकेट भी ऊहापोह की स्थिति में है। इस साल जब पाकिस्तान ने एशिया कप की मेजबानी की तो बीसीसीआई ने साफ किया कि भारतीय टीम वहां खेलने नहीं जाएगी। पहले तो पाकिस्तान ने भी धमकी दी कि वह भी विश्वकप खेलने भारत नहीं आएगा, लेकिन बाद में वह इसके लिए राजी हो गया कि दोनों टीमें एशिया कप के लिए श्रीलंका में खेलेंगी। अब अहमदाबाद में दोनों की मुठभेड़ होने जा रही है। इससे दोनों देशों के सत्ता–समीकरणों का भी पता चलता है, क्योंकि जहां बीसीसीआई का दुनिया पर दबदबा है, वहीं पाकिस्तान– जहां खेलने से अंतरराष्ट्रीय टीमें एक अरसे से इनकार करती आ रही हैं– के क्रिकेट बोर्ड के पास भारत की बात मानने के सिवा कोई चारा न था। एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख जय शाह ने पाकिस्तानी अधिकारियों से अपनी शर्तें मनवा ली थीं। इसलिए भी अहमदाबाद में होने वाला मैच क्रिकेट के साथ ही राजनीति का भी अखाड़ा बन सकता है।

10 अक्टूबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

डॉ मनोज कुमार तिवारी

जीवन में उतार–चढ़ाव होना इस जीवन रूपी प्रक्रिया का एक भाग है। सबके जीवन में खुशी और गम एक दूसरे के बाद दस्तक देते ही रहते हैं। देना भी चाहिए अन्यथा जीवन में न खुशी का मोल रह जाएगा और न ही दुख की व्यथा। वैसे भी, हम अपने जीवन की एक समान रफ्तार से थक जाते हैं। तो, सोचिए कि दुख की घड़ी में हमें कहीं न कहीं मन में आस अवश्य ही होगी खुशियों के आने की। दिल में कहीं न कहीं हमें यह विष्वास होगा कि बस अब खुशियां आती ही होंगी। फिर उस अपार दुख में जब भी खुशी का आगमन होता है तो उन आंनद के पलों के महत्व को बयां करना शायद किसी शब्द या शायरी के बस की बात नहीं। इसलिए शायद यह कहना गलत नहीं है कि खुशियों की आन–बान और शान दुख से ही है। दुख होगा, तकलीफ होगी, तभी हम खुशी का इंतजार करेंगे और उसके अस्तित्व को समझ पाएंगे। खैर, गलती यहीं हो जाती है कि लोग दुख से खुशी तक पहुंचने के इस सफर को पूरा नहीं कर पाते। वे बीच रास्ते में अपनी मंजिल से थोड़ी सी दूरी पर ही अपना दम तोड़ देते हैं। जो इस राह को समझ नहीं पाता या चल नहीं पाता वह अपने जीवन की इस प्रक्रिया को समाप्त करना ही बेहतर समझता है। खैर, अगर इन सब बढ़ती खुदकुशियों के कारणों की बात की जाए तो अक्सर हर केस में एक ही कारण ले देकर सामने आता है वह है–स्ट्रेस, तनाव, अवसाद। दरअसल, इस कलयुग में अवसाद रूपी राक्षस ने अपनी बाहों को इतना फैला दिया है कि युवा पीढ़ी से लेकर बुजुर्ग हर कोई इसकी चपेट में आ चुका है। तकनीक ने जितना विकास दिखाया है, उतनी ही तेजी खुदकुशी के केसों में भी देखी जा रही है। इस अवसाद ने तो इस कदर माया जाल बिछा दिया है कि लोगों को हर समस्या का सबसे बड़ा समाधान लगता है जीवन को खतम कर देना और अक्सर लोग ऐसा कर रहे हैं। मनचाही नौकरी या छोकरी न मिलने से लेकर पारिवारिक कलह, वजह चाहे कुछ भी हो, लोगों के पास एकमात्र उपाय बचता है–खुदकुशी। खुदकुशी के इस कारण तनाव या अवसाद को जानना बेहद आवश्यक है। आखिर यह तनाव या अवसाद क्या है? इस बारे में मनोचिकित्सक का कहना है कि आज के इस दौर में भौतिक सुख सुविधाएं एकत्र करना ही हर किसी का उद्देश्य बन गया है जिस के लिए हम सदा प्रत्यनशील रहते हैं। लेकिन मुश्किल यह है कि कुछ हासिल करने के बाद भी हम सुखी और संतुश्ट नहीं हो पाते और एक इच्छा के पूर्ण होते ही हमारे मन में दूसरी इच्छा उपजने लगती है जिस से हमारे अंदर तनाव पैदा हो जाता है। हर बार जो बदलाव के कारण तनाव उत्पन्न होता है वही डिप्रैशन कहलाता है। आप भी डिप्रैशन की चपेट में हैं अगर–आप सो नहीं पाते हैं या फिर आप ज्यादा सोने लगे हैं। आप किसी भी चीज पर उतना ध्यान नहीं लगा पाते जो कि आप पहले आसानी से कर पाते थे। आप उदास व निराश रहते हैं। भले आप कितना प्रयास कर रहे हों, तो भी आप अपने मन से चाहकर भी नकारात्मकता को निकाल नहीं पा रहे हैं। आप को भूख नहीं लगती या आप जरूरत से ज्यादा खाने लगे हैं। आप जरूरत से ज्यादा परेशान, गुस्सैल या चिढ़चिढ़े रहने लगे हैं। आप शराब या धूम्रपान करने लगे हैं, या ऐसी किसी गतिविधि में शामिल हो रहे हैं जो कि आप जानते हैं कि वह गलत है। आप को मन में यह विचार आते हों कि जीवन जीने का कोई फायदा नहीं है। मन की उदासीनता (डिप्रैशन)दिन–प्रतिदिन हमारे समाज में बढ़ती जा रही है। यह माना जाता है कि अगर आम जनता का सर्वेक्षण किया जाए तो लगभग 5–10 प्रतिशत लोग डिप्रैशन से पीडिढत हैं। यह एक कड़वा सच है कि इनमें से दो–तिहाई लोग डिप्रैशन का कोई इलाज नहीं कराते। ये लोग या तो डिप्रैशन को एक बीमारी न मानकर उदासीनता से भरी जिन्दगी जीते रहते हैं या फिर उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सही इलाज करने से इस बीमारी का इलाज किया जा सकता है। इसलिए आम जनता में डिप्रैशन के बारे में जागरुकता लाने की तथा इस बीमारी के बारे में अवधाराणाओं को दूर करने की जरूरत है। डिप्रैशन ज्यादातर 25 से 45 वर्ष की उम्र के लोग को प्रभावित करता है। परंतु बच्चों एवं वृद्धावस्था में भी यह बीमारी हो सकती है। बच्चों में डिप्रैशन के लक्षण कुछ अलग होते हैं जैसे कि चिढ़चिढ़ापन, कहना न मानना, पढ़ाई में ध्यान न देना, स्कूल न जाने के बहाने बनाना इत्यादि। बच्चों में डिप्रैशन को पहचानना इसलिए मुमकिन होता है, क्यों कि इनमें मन की उदासीनता, नाउम्मीदी के ख्याल या अपने आपको खत्म करने के विचार आम तौर पर देखे नहीं जाते। डिप्रैशन औरतों में मर्दों की तुलना में 2–3 गुना ज्यादा पाया जाता है। डिप्रैशन समाज के हर वर्ग को प्रभावित करता है।

यह सोचना गलत है कि जिन लोगों के पास जिन्दगी के सब ऐशो–आराम है उन लोगों को डिप्रैशन नहीं हो सकता। डिप्रैशन के क्या कारण है? आज के आधुनिक अनुसंधान और शोध कार्यों ने साबित कर दिया है कि डिप्रैशन अन्य बीमारियों की तरह एक ऐसी बीमारी है जिसका इलाज संभव है। हमारा दिमाग जो सारे शरीर का नियंत्रण करता है करोड़ों छोटी–छोटी कोशिकाओं का बना है। उन्हें न्यूरोन्स कहा जाता है। एक न्यूरोन दूसरे न्यूरोन्स से संपर्क कुछ खास पदार्थों के जरिए करता है। इन पदार्थों को न्यूरोट्रांसमीटर कहा जाता है। दिमाग में कुछ ऐसे न्यूरोसमीटर है जिनकी मात्रा में बदलाव आने से डिप्रैशन हो जाता है। वक्त के साथ डिप्रैशन बढने से दिमाग की कोशिकाओं में ऐसे बदलाव आ जाते हैं, जिनसे मरीज के मन में स्वयं को खत्म करने के विचार आने लगते हैं। खुशकिस्मती से ये सारे बदलाव दवाओं अथवा साइकोथैरेपी (मनोचिकित्सा) द्वारा ठीक किए जा सकते हैं। यह जरूरी नहीं है कि डिप्रैशन के हर मरीज को जिन्दगी में ऐसी कुछ दुरूखद घटनाएं हुई हों जो डिप्रैशन का कारण बनती है। आधे से ज्यादा मरीजों में डिप्रैशन बिना किसी पारिवारिक या सामाजिक कारण के हो जाता है।डिप्रैशन का इलाज आसान है। इलाज के चार तरीके हैं। 1। दवाएं, 2। साइकोथैरेपी (मनोरोग विशेशज्ञ द्वारा बातचीत) 3। इलेक्ट्रोकनवल्सिव थैरेपी (बिजली द्वारा इलाज), 4। उन बीमारियों का इलाज जिनके कारण डिप्रैशन हो जाती है। आज भारत में डिप्रैशन दूर करने वाली अधिकतर दवाएं उपलब्ध हैं। मनोरोग विशेशज्ञ की सलाह के अनुसार इनके सेवन से कई प्रकार की उदासी दूर की जा सकती है। दवाओं के साथ–साथ बातचीत द्वारा भी इलाज किया जाता है। जिसे साइकोथैरेपी कहा जाता है। यह मनोरोग विशेशज्ञों द्वारा की जाने वाली विशेश बातचीत होती है। जिसमें मरीज के मन की दशा को समझकर जिन्दगी में आने वाली मुष्किलों का सामना करने के तरीके सिखाएं जाते हैं और प्रोत्साहित किया जाता है।जब डिप्रैशन इतनी बढ़ गई हो कि मरीज आत्महत्या की सोचने लगे या उसे यह लगने लगे कि वह कभी भी ठीक नहीं होगा तो इलेक्ट्रानिनवल्सिव थैरेपी (ईसीटी) यानी बिजली द्वारा भी इलाज किया जा सकता है। इस इलाज के बारे में आम जनता में बहुत ही भ्रांतियां मगर यह एक सुरक्षित और असरदार इलाज है। मरीज को कोई तकलीफ पहुंचाए। बिना इस इलाज से जल्दी ठीक किया जा सकता है। वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ मनोज तिवारी का कहना है कि आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है बल्कि इस आत्मघाती व्यवहार से आत्महत्या करने वाले व्यक्ति का परिवार अनेक समस्याओं से घिर जाता है। समाज के प्रत्येक वर्ग में आत्महत्या की दर बढ़ती जा रही है जिसे सामाजिक जागरूकता एवं व्यक्ति में आत्महत्या के विचार आने पर उसमें आ रहे व्यवहारिक परिवर्तनों की समय से पहचान करके मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं मनोचिकित्सा के माध्यम से आत्महत्या को टाला जा सकता है। आत्महत्या निवारण में परिवार एवं मित्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। प्रत्येक व्यक्ति को यह पता होना चाहिए की 25 लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं तो उसमें केवल एक ही व्यक्ति अपनी जान गवाता है, जो बच जाते हैं उन्हें पहले से अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए अपने कौशल एवं क्षमताओं का विकास कर परिस्थिति का सामना करें दुनिया में कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका समाधान न हो।

इजराइल और फिलिस्तीन युद्ध बड़ी त्रासदी की ओर

संजीव ठाकुर

ईरान के इशारे और उकसाने पर हमास ने पूरी तैयारी के साथ इसराइल के कई शहरों पर शनिवार की सुबह–सुबह 5000 रॉकेट से हमला बोलकर लगभग 700 नागरिकों और सैन्य तथा पुलिस के अधिकारियों सहित हत्या कर दी है साथ ही लगभग ढाई हजार लोग जख्मी भी हुए हैं। हमास एक पिलिस्तीनीआतंकवादी संगठन है जिसमें लगभग 25000 लडाके शामिल है। ईरान, पाकिस्तान और तुर्की समर्थित हमास उग्रवादी यह कभी नहीं चाहते थे कि अमेरिकी मध्यस्थता के फल स्वरुप इसराइल और सऊदी अरब सहित अन्य देशों के बीच संबंध अच्छे बने वह उसका लगातार विरोध करता आया है। हमास द्वारा यह भी दावा किया गया है कि उसने 50 इजरायली सैन्य अधिकारियों का अपहरण भी कर लिया है। इधर इसराइल ने भी दावा किया है कि उसने जवाबी हमले में लगभग 500 उग्रवादियों को मार गिराया है। न्यूज एजेंसी के अनुसार हमास ने जो इजरायली लोगों को बंधक बनाया है उनके बदले वह अपने उन आतंकवादियों की रिहाई करवाना चाहता है जो इजरायल के कब्जे में है ।हमास के लिए यह आक्रमण उसकी प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। हमास के इस भयानक हमले से इसराइल के नागरिक गहरे सदमे में है वह इसी तरह सदमे में है जैसे 9/11 के सदमे में अमेरिकी सहम गए थे। इसराइल के प्रधानमंत्री पर पहले से दबाव था कि हमास के विरुद्ध हमला कर उसे पर आक्रमण करें पर पर इसराइली प्रधानमंत्री

बेंजामिन नेत्यनाहू इस आक्रमण से बचते रहे हैं पर अब हमास के इसराइल पर अमानवीय हमले के खिलाफ इसराइल के लोग भरपूर जवाब देने की मानसिक स्थिति में पहुंच चुके हैं। यह तो तय है कि हम आज का यह हमला केवल सशस्त्र संघर्ष नहीं है बल्कि यह एक सैन्य युद्ध की शक्ल में लड़ा जा रहा है और हमास के साथ ईरान, पाकिस्तान, तुर्की खुलकर सामने आ गए। इसराइल ने दावा किया है कि इस बार जो हमास के विरुद्ध युद्ध होगा वह दुश्मनों ने कभी सोचा और देखा नहीं होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन के इजरायली संस्थान एवं शोधकर्ता मार्क हीलर के अनुसार इस बार इसराइली नागरिकों पर बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक असर हुआ है उसे देखते हुए इसराइल बदला लेने के लिए कोई भी कीमत चुका सकता है। कुछ विश्लेषक यह मानते हैं कि 50 वर्ष पहले योग कीपर युद्ध की 50वीं वर्षगाठ पर अचानक हमास ने इसराइल के शहरों पर 5000 रॉकेट लॉन्चरों से हमला कर इजराइल में कोहराम मचा दिया है। न्यू यॉर्क टाइम्स के हवाले बताया गया कि अरब युद्ध से भी इस युद्ध की कई समानताएं हैं वर्ष 1973 में मिश्र, सीरिया की तरह इस युद्ध में हमास का लक्ष्य निश्चित रूप से रणनीतिक उद्देश्यों को लेकर है जो इसराइल को मारने अपंग करने से कहीं बढ़कर है। हमास इजरायली लोगों पर जितने भयानक हमले कर रहा है इसका स्पष्ट उद्देश्य विनाशकारी इजरायली प्रतिक्रिया को भड़काना ही है। हमास के इस हमले से इसराइल और सऊदी अरब के बीच हुए शांति समझौते को खंडित कर देगी। इस युद्ध से न केवल यहूदी राज्य के प्रति मुस्लिम विरोध भड़केगा बल्कि इसराइल को भी हमास तथा फिलिस्तीन अन्य संगठनों को खत्म करने की चाहत बढ़ जाएगी। इजराइल का विश्व स्तरीय खुफिया संगठन मोसाद की असफलता के कारण हमास ने इतना बड़ा हमला किया है अब इजरायल के विचार हमास को दंडित करने की नहीं है बल्कि उसकी समूल नष्ट करने का है और इसी के परिणाम स्वरुप इसराइल ने गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं और लगभग 500 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है वहां की कई इमारतें को नष्ट कर दिया है। पूरी की पूरी गाजा पट्टी फिलिस्तीन लोगों के कब्जे में है और इन उग्रवादियों का केंद्र भी है इसीलिए इजराइल का पूरा ध्यान इस गाजा पट्टी पर ही है। उल्लेखनीय है कि इसराइल के इस संकट के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस ,ऑस्ट्रेलिया,कनाडा ने अपना पूरा समर्थन इसराइल को दिया है और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन तुरंत आर्थिक मदद की भी घोषणा कर दी है। इसराइल के पास हमास के हमले से रक्षा करने के लिए आयरन डॉम रक्षात्मक प्रणाली थी जो हवा से हवा में मार करने वाला एयर डिफेंस सिस्टम है जो हमास पर हमले और उसको भयानक नुकसान करने वाला सिस्टम है ।अब इस रक्षात्मक आयरन डोम के असफल होने से फिलिस्तीन उग्रवादी हमास संगठन इतना बड़ा हमला कर पाया।

इजराइल का उदय 1948 को हुआ था पर आज तक सऊदी अरब ने इसे मान्यता नहीं दी है अमेरिका यह चाहता है कि इसराइल और सऊदी अरब तथा अन्य मुस्लिम एशियाई देशों से इजरायल के संबंध सामान्य हो और यह देश इजराइल को मान्यता प्रदान करें। पर अब इजरायली और फिलिस्तीन आपसी युद्ध के कारण अमेरिका का प्रयास असफल होता प्रतीत हो रहा है। न्यूयॉर्क और एजेंसी के अनुसार 2006 की तरह हिजबुल आतंकवादी संगठन उत्तरी इजराइल में युद्ध का नया मोर्चा खोल सकता है कि हिजबुल आतंकवादी संगठन को इसराइल के कट्टर दुश्मन ईरान का पूरा समर्थन एवं सहयोग प्राप्त है और ईरान ही हिजबुल और हमास को इसराइल के विरुद्ध पूरी पूरी खुफिया जानकारी तथा हथियार की मदद करता आया है। हिजबुल की तरह पाकिस्तान और तुर्की भी इस युद्ध में हमास की तरफ से कूद पड़े हैं। अब यह तो तय है कि इजरायल पूरी तरह हमास और उसके कब्जे में गाजा पटी को समूल नष्ट करने के इरादे से अपने टैंक तथा वायु सेना से खुलकर आक्रमण कर रहा है। लेबनान में सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल अचानक इसराइल हमास युद्ध में कूद पड़ा है और उसने रविवार को इजरायली ठिकानों पर हमले भी किए हैं हिजबुल अपने को हमास का तथा फिलिस्तीन का समर्थन तथा साथी ही बताता है। मूलतः हिजबुल सिया आतंकी संगठन है जिसे ईरान समर्थन सहयोग देता है इसे 1975 से 90 तक चले लेबनान युद्ध की उपज माना जाता है। हिजबुल इसराइल तथा हमास युद्ध में एक नया मोर्चा खड़ा कर सकता है।

इसराइल हमास युद्ध बहुत जल्दी थमने वाला युद्ध नहीं है। इसराइल के बारे में माना जाता है कि वह अपने दुश्मनों को छोड़ता नहीं है पर अब हमास के साथ ईरान अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है और इसके साथ अन्य मुस्लिम देशों के शामिल होने की संभावना है। यदि इजरायल के साथ अमेरिका ,ब्रिटेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया ,फ्रांस और नाटो देश शामिल होते हैं तो इस युद्ध को विश्व युद्ध में बदलने में ज्यादा देर नहीं लगेगी और यह वैश्विक शांति के लिए एक बड़े खतरे की घंटी होगी। इसके लिए बाहुबली देशों को काफी समझदारी से काम लेना होगा तब ही युद्ध विराम हो सकता है।

रोकना होगा इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध

लगभग पौने दो वर्षों से दुनिया रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के रुकने का बेसब्री से इंतजार कर ही रही है, वहीं उसके सामने एक और बड़ी लड़ाई आकार लेती हुई नजर आ रही है। फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास द्वारा शनिवार के तड़के केवल 20 मिनटों में इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दाग दिये गये। इससे इजराइल व गाजा पट्टी में 500 लोगों के मरने की खबर है, जिनमें 26 इजराइली सैनिक हैं। दक्षिणी इजराइल के बिर्शेबा नामक शहर में 750 इजराइली नागरिक घायल हुए हैं। अनेक बेहद गम्भीर है। इसका जवाब देते हुए इजराइल ने गाजा पट्टी के 17 फिलिस्तीनी मिलिट्री शिविरों और चार सेना मुख्यालयों पर बड़ा हमला बोल दिया। दक्षिणी लेबनान पर उसने बम बरसाए हैं। इससे करीब 200 फिलिस्तीनियों की मौत हुई तथा डेढ़ हजार से भी अधिक लोग घायल हुए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि श्उनका देश युद्ध में शरीक हो गया है ।श अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि पश्चिमी देशों के साथ यूरोपियन यूनियन ने इजराइल का समर्थन किया है। दूसरी तरफ ईरान ने हमास को इस हमले के लिये बधाई देते हुए उसे आश्वस्त किया है कि इजराइल के खिलाफ लड़ाई में वह फिलिस्तीन व यरूशलम की आजादी तक उसका साथ देगा। अरब देशों के साथ इजराइल की लड़ाई का इतिहास करीब एक सदी पुराना है, यानी इजराइल को स्वतंत्र देश बनने के भी पहले से। अनेक बार इजराइल अपने मुस्लिम बहुल 8 पड़ोसी मुल्कों से उलझता रहा है जिस दौरान इनके बीच कई जंगें हो चुकी हैं। हालांकि 1978 के मध्य में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निमंत्रण पर तब के इजराइली पीएम मेनाकेम बेगिन एवं एक युद्धरत देश मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात के बीच कैंप डेविड में शांति समझौता हुआ था लेकिन अन्य देशों के साथ ऐसा कोई माहौल कभी नहीं बन पाया। इन देशों के साथ इजराइल के हुए अनेक छोटे–बड़े संघर्षों ने फिलिस्तीन को अपनी जमीन खोने पर मजबूर ही किया। जहां तक ताजा लड़ाई की बात है, तो इसके आसार इस साल के अप्रैल से बनने लगे थे जब इजराइली पुलिस ने अल अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंककर इसे अपवित्र किया था। इस धर्म स्थल पर दोनों (इजराइल–फिलिस्तीन) अपना हक जताते हैं। यहूदी इसकी पश्चिमी दीवार को यहूदी मंदिर का अंतिम अवशेष मानते हैं तो वहीं फिलिस्तीनियों की मान्यता है कि यह अल बराक मस्जिद की दीवार है। उनके लिहाज से मक्का व मदीना के बाद यह मुस्लिमों के लिये सबसे पवित्र स्थान है। 1970 के दशक में एक समझौता हुआ था कि गैर मुस्लिम यहां आ सकते हैं परन्तु वे कोई धार्मिक अनुष्ठान नहीं कर सकेंगे। पिछले दिनों इसलिये विवाद भड़का क्योंकि यहां आकर कुछ यहूदियों ने पूजा करने की कोशिश की थी। हमास ने यह आक्रमण ऐसे दिन पर (शनिवार को) बोला जब यहूदियों का पवित्र त्यौहार सिमचौट टोरा मनाया जा रहा था। इजराइल इन दिनों अपने अंदरूनी विवादों में भी व्यस्त है। सरकार द्वारा न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती करने वाले कदमों के खिलाफ वहां जन आंदोलन जारी हैं। इतना ही नहीं, 6 अक्टूबर को 1973 के युद्ध की 50वीं वर्षगांठ भी थी ।वैसे तो युद्ध की स्थिति तक पहुंचने के कई कारण हैं लेकिन इसके सम्भावित परिणामों पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध में नाटो के तहत जो तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं वे इजराइल के भी साथ हैं। इसके कारण एक बार फिर से दुनिया के देश ईसाई और मुस्लिम खेमों में बंट जायेंगे। ईसाई देशों का समर्थन स्वाभाविकतरू इजराइल के साथ है तो वहीं मुस्लिम देश फिलिस्तीन के साथ हैं। इसमें भी जिस प्रकार से ईरान ने खुलकर हमास द्वारा किये गये हमलों का स्वागत किया है, अगर वह फिलिस्तीन के समर्थन में बाकायदे लड़ाई के मैदान में उतर आता है तो स्थिति विकट हो सकती है। तुर्किए भी फिलिस्तीन को समर्थन दे सकता है तो वहीं चीन का झुकाव भी फिलिस्तीन की ही ओर होगा। भारत ने इजराइल के साथ एकजुटता दिखलाई है। मध्य पूर्व के इन देशों के पास खतरनाक हथियारों के जखीरें हैं। स्वयं हमास, जिसकी गतिविधियां संचालित करने का केन्द्र गाजा पट्टी है, ड्रोन और रॉकेटों से हमले करने में सक्षम है। यूक्रेन की लड़ाई बहुत लम्बे समय तक न चलने के अनुमान लगाए गए थे लेकिन अब इस लड़ाई को पौने दो वर्ष होने को आए हैं, तो भी कोई संकेत दिखलाई नहीं पड़ रहे हैं कि यह थमेगा। इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कैसा पड़ा है– यह सभी देख रहे हैं। ऐसे में अगर दुनिया को एक और युद्ध झेलना पड़े तो वह उसे झेल नहीं पाएगा। युद्ध केवल परस्पर विरोधी देशों के सैनिकों के बीच का ही मसला नहीं होता बल्कि इससे निर्दोष नागरिकों को ज्यादा तकलीफें उठानी पड़ती हैं। हमास के व इजराइली हमलों में जनसामान्य को जान–माल की हानि उठानी पड़ी है। हमास की अंधाधुंध फायरिंग में कई लोग मारे गये तथा महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हें पैरों से रौंदा गया है। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। उनमें से कई जीवन भर के लिये अपाहिज हो सकते हैं या आजीवन शारीरिक तकलीफों से गुजरेंगे।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित स्वच्छता जागरूकता अभियान का समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुपालन में मा0 जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल के दिशा निर्देशन में 02 अक्टूबर 2023 को ''स्वच्छता जागरूकता अभियान'' के तहत साप्ताहिक कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया था। स्वच्छता के महत्व के सम्बन्ध में जनपद के समस्त प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग लेने वाले विद्यालयों द्वारा अपने–अपने विद्यालय की 3–3 उत्कृष्ट निबन्ध एवं चित्रकला प्रविष्टियॉ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर को प्रेषित की गई। विद्यालय से प्राप्त उक्त प्रविष्टियों में से उत्कृष्ट प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रविष्टियों को चयनित करने हेतु निर्वाचन मण्डल की बैठक 09 अक्टूबर 2023 को आहूत की गई, जिसमें सभी अधिकारीगण ने प्रत्येक संवर्ग के छात्रों द्वारा लिखे गए निबन्धा व चित्रकला का आंकलन कर उत्कृष्ट छात्रों को चयनित किया।

इसी अनुक्रम में स्वच्छता जागरूकता अभियान का समापन समारोह मंगलवार को दीवानी न्यायालय परिसर जौनपुर में स्थित मीटिंग हॉल में किया गया। उक्त समारोह में प्रत्येक स्तर के विद्यालयों में से दोनों संवर्गों में चयनित किए गए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट प्रथम, द्वितीय व तृतीय कुल–18 प्रतिभागियों को शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय व छात्र को भी पुरस्कृत किया गया। इसी अनुक्रम में जनपद न्यायालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी लालता प्रसाद को सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ कार्य सम्पादित किए जाने हेतु ''सजीव पौधा'' भेंट कर सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्रीमती रीता कौशिक, सिटी मजिस्ट्रेट जलराजन चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रभारी सचिवध्सिविल जज सी0डि0 श्रीमती ज्योति अग्रवाल, अपर जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश चन्द्र यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल, जिला सूचना अधिकारी सुश्री मनोकामना राय एवं न्यायिक प्रतिष्ठान के सम्मानित न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रभारी सचिवध्सिविल जज सी0डि0, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्रीमती ज्योति अग्रवाल द्वारा बताया गया कि 2 अक्टूबर 2023 से सम्पूर्ण जिले में विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता अभियान के रूप में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। सम्पूर्ण जनपद व तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों द्वारा जनपद के आमजन के मध्य स्वच्छता के महत्व का प्रचार–प्रसार करने हेतु एवं जागरूकता हेतु प्रभात फेरी एवं रैलियां निकाली गई तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर मध्यस्थ संजय कुमार उपाध्याय, पैनल अधिवक्ता देवेन्द्र कुमार यादव, पी0एल0वी0 गण एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

नशा से लोगो को बचाने हेतु निकली जागरूकता रैली निकाली

लायन्स सदस्यों ने जागरुकता रैली निकाल नशा मुक्ति का दिया संदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायन्स क्लब संगठन जौनपुर द्वारा नशा मुक्ति हेतु जागरूकता रैली रीजन चेयरमैन संतोष साहू, जोन चेयरमैन विष्णु सहाय व आशीष त्रिपाठी के नेतृत्व में निकाली गई। रैली को दिनेश टंडन पूर्व अध्यक्ष नगरपालिका परिषद व मनीष गुप्ता कैबिनेट सचिव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में लायन्स सदस्य नशा मुक्ति जागरूकता के स्लोगन, नारे लिखि तख्तियां, बैनर लिए व नशा मुक्ति जागरूकता नारे अब तो है बस एक ही सपना,

नशा मुक्त हो भारत अपना। नशे से बनानी दूरी है,

क्योंकि परिवार जरूरी है। गुटका, पान, तम्बाकू इनसे है नुकसान, मुंह का कैंसर होता है और जा सकती है जान।

लगाते चल रहे थे। जिसके माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने एवं नशे के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक कर रहे थे स तथा आगे आगे माइक पर प्रेरणा दाई गीत गाते चल रहे थे।

रैली नगर पालिका परिसर से शुरू होकर कोतवाली चौराहा, चहारसू, शाही पुल ओलंदगंज, लायन्स तिराहा, सदभावना पुल, होते हुए किला रोड तक गई। रैली में लायन्स मेन, लायन्स गोमती, लायन्स सूरज, लायन्स पवन, लायन्स क्षितिज, लायन्स रायल क्लब के सदस्य चल रहे थे।

इस अवसर पर दिनेश टंडन ने कहा कि कहा कि यदि नशा ही करना है तो शिक्षा का करो क्योंकि शिक्षा ही आगे बढ़ने का सशक्त मार्ग है और इस मार्ग को अपनाते हुए अधिक से अधिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है और यही शिक्षा सफलता का संकेत देती है। शिक्षा ही नशे की बुराईयों को दुर कर सकती है। आगे कहा कि बच्चो में नैतिक शिक्षा का होना जरुरी है यदि हम अपने संस्कार व नैतिक शिक्षा का पालन करेंगे तो निश्चित तौर पर नशे से दूर रहेंगे। डिस्ट्रिक्ट एरिया चेयरमैन देवेश गुप्ता ने कहा कि हालात ऐसे हैं कि युवा से लेकर बुजुर्ग तक नशे के शिकार हो रहे हैं। नशे के कारण लोगों में कैंसर, गले की बीमारी, दमा, फेफड़ों आदि की बीमारी घर कर रही है। विशेषकर जौनपुर वासियों से दोहरा गुटका, तम्बाकू छोडने की अपील किया क्योंकि, इनके सेवन से बहुत तेजी से लोग कैंसर की चपेट में आ रहें हैं। रैली के दौरान लोगों से अपील की गई कि वे नशे से दूर रहे हैं। नशा नाश का दूसरा नाम है। वही आशीष त्रिपाठी ने गीत गाकर सभी को आकर्षित किया–ष्भईया जो दोहरा तू खइबा, मुंह का कैंसर बुलइबा, बबूआ जो दारु तू पीबा, अपना जीवन दुखइबा। संचालन सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर शकील अहमद, धनन्जय पाठक, सतीश चंद्र मौर्य, विजय मौर्य, शशांक सिंह रानू, अजय गुप्ता, सोमेश्वर केसरवानी, गौरव श्रीवास्तव, संतोष साहू बच्चा, पवन जायसवाल, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश किशोर, डा संजीव मौर्य, सुधा मौर्य, दशरथ मौर्य, डा सूरज जायसवाल, विनय बरौतिया, मधुसूदन बैंकर, जीहशम मुफ्ती वजीह, राजेन्द्र खत्री, जागेशवर केसरवानी, सुरेन्द्र प्रधान, दीपक साहू, प्रदीप प्रधान, संदीप गुप्ता, अरविंद बैंकर, नसीम अख्तर, पवन जायसवाल, अतुल सिंह, अभिताभ गुप्ता, नीरज शाह सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

बीएस के औचक निरीक्षण मे अनुपस्थित शिक्षक व शिक्षामित्र का वेतन अवरूद्ध

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बेसिक विभाग की ओर से परिषदीय स्कूलों में चल रहे निरीक्षण अभियान के तहत बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा विकासखण्ड केराकत व डोभी के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शासन द्वारा विद्यालयों मे संचालित योजनाओं एवं अध्ययनरत छात्रों के अधिगम स्तर की जाँच की गयी। प्राथमिक विद्यालय चरहुँआ, वि0क्षे0–केराकत के निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे कार्यरत समस्त अध्यापक विद्यालय में उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 112 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 62 छात्र उपस्थित पाये गये। विद्यालय मे शिक्षक–छात्र अनुपात प्राविधानित व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाया गया। विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का अधिगम स्तर सन्तोषजनक नहीं पाया गया। विद्यालय प्रांगण साफ–सुथरा नहीं पाया गया। विद्यालय प्रांगण मे जगह–जगह ईंट व कंकरीट पायी गयी। कायाकल्प योजना के तहत विद्यालय मे लगा हुआ मल्टिपल हैण्डवाश असंतृप्त पाया गया। विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बना हुआ पाया गया। गत शिक्षिक सत्र 2022–23 मे विद्यालय द्वारा 102 छात्रों के सापेक्ष 89 छात्रों की डी0बी0टी0 की गयी प्राप्त हुई। गत वर्ष विद्यालय को शासन द्वारा प्राप्त कम्पोजिट धनराशि रू0 50000 के सापेक्ष कुल रू0 50000 व्यय पायी गयी। विद्यालय मे रंगाई–पुताई का अभाव पाये जाने के कारण बी0एस0ए0 डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही करते हुए 10 दिनों मे विद्यालय मे व्याप्त कमियों को पूर्ण करते हुए फोटोग्राफध्साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हेतु मौके पर निर्देशित किया गया। प्राथमिक विद्यालय बिसौरी, वि0क्षे0–डोभी के निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे कार्यरत शिक्षामित्र श्रीमती प्रियंका माह जुलाई 2023 से निरीक्षण तिथि तक अनुपस्थित पायी गयीं, जिसके सम्बंध में प्रधानाध्यापक द्वारा सन्तोषजनक फीडबैक प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अनुपस्थित पाये जाने के कारण शिक्षामित्र का अनुपस्थित तिथियों का मानदेय अवरूद्ध कर दिया गया। विद्यालय मे कार्यरत शेष अन्य अध्यापक विद्यालय मे उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 102 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 63 छात्र उपस्थित पाये गये। विद्यालय मे शिक्षक–छात्र अनुपात प्राविधानित व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाया गया। विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रों का अधिगम स्तर सन्तोषजनक नहीं पाया गया। विद्यालय मे मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बना हुआ पाया गया। गत शिक्षिक सत्र 2022–23 मे विद्यालय द्वारा 106 छात्रों के सापेक्ष 89 छात्रों की डी0बी0टी0 की गयी प्राप्त हुयी। गत वर्ष विद्यालय को शासन द्वारा प्राप्त कम्पोजिट धनराशि रू0 50000 के सापेक्ष आय–व्यय पंजिका का अवलोकन प्रधानाध्यापक द्वारा नहीं कराया जा सका। जिसके कारण बी0एस0ए0 द्वारा प्रधानाध्यापक को स्पष्टीकरन निर्गत किया गया। विद्यालय में आने–जाने हुए लगे हुए रास्ते के विशेष मरम्मत हेतु प्रधानाध्यापक को खण्ड शिक्षा अधिकारी व ग्राम प्रधान से वार्ता कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। विद्यालय मे उपस्थित समस्त अध्यापकों को छात्रों के अधिगम स्तर मे वृद्धि किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।प्राथमिक विद्यालय मढ़ी चमार बस्ती, वि0क्षे0–डोभी के निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापक शिवांश प्रताप सिंह 09 अक्टूबर, 2023 से निरीक्षण तिथि तक अनुपस्थित पाये गये, जिसके सम्बंध में प्रधानाध्यापक द्वारा सन्तोषजनक फीडबैक प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अनुपस्थित पाये जाने के कारण सहायक अध्यापक शिवांश प्रताप सिंह का अनुपस्थित तिथियों का वेतन अवरूद्ध कर दिया गया। विद्यालय मे कार्यरत शेष अन्य अध्यापक विद्यालय मे उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 82 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 60 छात्र उपस्थित पाये गये। विद्यालय मे शिक्षक–छात्र अनुपात प्राविधानित व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाया गया। गत शिक्षिक सत्र 2022–23 मे विद्यालय द्वारा 120 छात्रों के सापेक्ष 120 छात्रों की डी0बी0टी0 की गयी प्राप्त हुयी। गत वर्ष विद्यालय को शासन द्वारा प्राप्त कम्पोजिट धनराशि धनराशि रू0 50000 के सापेक्ष कुल रू0 50000 व्यय पायी गयी। विद्यालय में आने–जाने हुए लगे हुए रास्ते के विशेष मरम्मत हेतु प्रधानाध्यापक को खण्ड शिक्षा अधिकारी व ग्राम प्रधान से वार्ता कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। विद्यालय मे प्राप्त कमियों के कारण बी0एस0ए0 डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही करते हुए 10 दिनों मे विद्यालय मे व्याप्त कमियों को पूर्ण करते हुए फोटोग्राफध्साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हेतु मौके पर निर्देशित किया गया। प्राथमिक विद्यालय हिसामपुर द्वितीय, वि0क्षे0–डोभी के निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे समस्त अध्यापक विद्यालय मे उपस्थित पाये गये । विद्यालय में नामांकित 101 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 72 छात्र उपस्थित पाये गये। गत शिक्षिक सत्र 2022–23 मे विद्यालय द्वारा 113 छात्रों के सापेक्ष 109 छात्रों की डी0बी0टी0 की गयी प्राप्त हुयी। गत वर्ष विद्यालय को शासन द्वारा प्राप्त कम्पोजिट धनराशि धनराशि रू0 50000 के सापेक्ष कुल रू0 50000 व्यय पायी गयी। विद्यालय के कक्षा–कक्ष की छत से सिमेंट छोड़ने के कारण बी0एस0ए0 डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही करते स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हेतु मौके पर निर्देशित किया गया।

उत्तर प्रदेश में एनडीए 80 की 80 सीटे जीतने जा रही है : अशाषि पटेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अपना दल (एस) की जिला जौनपुर एंव मछलीशहर की संगठन समीक्षा बैठक अपना दल (एस) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा, बाट–माप उपभोक्ता संरक्षण मंत्री मा0 आशिष पटेल के द्वारा समीक्षा बैठक किया गया। जिसमें जिला, विधानसभा, सेक्टर, बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओ की समीक्षा की गयी।

साथ ही 17 अक्टूबर को डॉ सोनेलाल पटेल पुण्यतिथि पर प्रतापगढ़ में आयोजित होने जा रही श्रधांजलि सभा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने को कहा। इस मौके पर पप्पू माली ने अपने आवास बुके एवं स्मृति चिन्ह भेट कर स्वजत किया। मीडिया से बात करते हुए कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा जौनपुर की दोनों इकाइयों की आज समीक्षा बैठक की जा रही है और संगठनआत्मक सुधार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपना दल हमेशा से जातीय जनगणना के पक्ष में रही है, हमारी नीति स्थापना के समय से ही जाति जनगणना के पक्ष में रही है। अनुप्रिया पटेल ने पीएम मोदी से इसके लिए कई बार बात भी की है। उन्होंने कहा की जाति जनगणना हमारी संवेदनाओं से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार रही है तब उन्हें जातीय जनगणना की कभी याद नहीं आई। उन्होने कहा की एनडीए की सरकार ने पिछड़ों के लिए किए हैं अनेकों कार्य। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एनडीए 80 सीटे जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि देवरिया कांड में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर पूर्व सांसद फुलपुर नागेन्द्र पटेल, विधायक डॉ आर.के. पटेल, राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली जी श्री माता बादल तिवारी जी पूर्व विधायक डॉक्टर लीना तिवारी जी राजनाथ पटेल, गोकर्ण पटेल, जिलाध्यक्ष लालबहादुर पटेल, जिलाध्यक्ष शीवनायक पटेल, सुनीता वर्मा जिला पंचायत सदस्य , अजय पटेल अनिल जायसवाल जी लाल प्रकाश पाल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम शुरुआत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड व एच सी एल फाउंडेशन के सहयोग से लखनऊ जनपद में 12 उच्च प्राथमिक विद्यालय व 3 राजकीय इंटर कॉलेज में माई वर्थ कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है! माई वर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के उपलक्ष्य में उच्च प्राथमिक विद्यालय मडियाव, उच्च प्राथमिक विद्यालय मलेशेमऊ, उच्च प्राथमिक विद्यालय खरगपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय मल्हौर, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिनहट कन्या, उच्च प्राथमिक विद्यालय सेमरा, उच्च प्राथमिक विद्यालय मटियारी, उच्च प्राथमिक विद्यालय अमरईगांव, उच्च प्राथमिक विद्यालय गाजीपुर बस्तौली, उच्च प्राथमिक विद्यालय छावनी व 35 पीएसी महानगर, स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत बच्चों के साथ निम्नलिखित गतिविधियां कराई गई जो इस प्रकार है।

1–बच्चों के निजी स्वच्छता पर चर्चा।

2–हैंड वॉश डेमोंसट्रेशन

आदि गतिविधियां बच्चों के साथ कराई गई इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य शिखा चौधरी, रूही रेशमा सिद्दीकी, चम्पा पंत, अर्चना मिश्रा, पूनम श्रीवास्तव, आशा सिंह, सुप्रिया श्रीवास्तव, सरोज पंत ,उपमा देवी, रेखा सिंह,मीना रावत, बुशरा नईम, सुमन कनौजिया, तथा माई वर्थ टीम के सदस्य उपस्थित रहे। इस गतिविधि में लगभग 670 बच्चों ने प्रतिभा किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य एंव जनजागरुकता शिविर आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया है कि 10 अक्टूबर 2023 को ''विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस'' पर जिसकी इस वर्ष थीम "डमदजंस भ्मंसजी पे न्दपअमतेंस भ्नउंद त्पहीज" के अवसर पर जिला पुरुष चिकित्सालय जौनपुर में एक विशाल मानसिंक स्वास्थ्य एंव जनजागरुकता शिविर एवं दिव्यांग मेडिकल बोर्ड का आयोजन प्रातः 08 बजे से 2.00 बजे तक किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला पुरूष चिकित्सालय डा0 के0के0 राय, मुख्य चिकित्सा अधिक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय डा0 शोभना दूबे, चिकित्सा अधिकारी जिला चिकित्सालय डा0 शायन दास द्वारा रिबन काट कर, जन जागरूकता कैम्प का उद्घाटन किया गया। जिसमे मानसिक रोग विशेषज्ञ द्वारा मानसिक मन्दित व्यक्तियों का निःशुल्क ईलाज एवं परामर्श प्रदान दिया गया। मानसिक स्वास्थ्य शिविर में कुल 168 मरीजों की जॉच मोनचिकित्सक डा0 रिशी कुमार सोनी द्वारा की गयी, जिसमें 45 मानसिक रोगी पाये गये जिनका उपचार एवं काउन्सलिंग क्लीनिकल साईकोलाजिस्ट रामप्रकाश पाल द्वारा की गयी, 04 मानसिक रोगियों को मानसिक विकलांगता प्रमाण–पत्र निर्गत किया गया। शिविर में 79 सूगर एवं 40 बी0पी0 के रोगियों को उपचार प्रदान किया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर नेडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 10 अक्टूबर विश्वभर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रुप में मनाया जाता है तथा उनके द्वारा बताया गया कि मानसिक रोग भी अन्य बिमारियों की तरह है तथा इसका इलाज सम्भव है।

इसी क्रम में डा0 के0के0 पाण्डेय प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एन0सी0डी0 क्लीनिक जिला चिकिसालय पुरूष चिकित्सालय द्वारा बताया गया कि तनाव, एकल परिवार आदि इसके दूसरे कारण है। मानसिक समस्या से ग्रसित व्यक्ति नियमित चिकित्सा के साथ–साथ पौष्टिक आहार, प्रयाप्त नीद, नियमित व्यायाम करे एवं नशामुक्त रहे। विश्व में 04 व्यक्तियों में से 01 व्यक्ति जीवन के किसी न किसी मोड़ पर मानसिक विकार से ग्रसित होते है। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के अन्तर्गत जनपद के समस्त सामु0ध्प्रा0 स्वा0 केन्द्रो पर कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं एन0सी0डी0 क्लीनिकध्मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के समस्त कर्मचारीध्अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा0 के0के0 पाण्डेय प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एन0सी0डी0 क्लीनिक जिला चिकिसालय पुरूष चिकित्सालय एवं जय प्रकाश गुप्ता एफ0एल0सी0 द्वारा किया गया।

आधार के सहारे दुष्कर्म के आरोपी तक पहुंची पुलिस

संवाददाता

लखनऊ। मदद के नाम पर नशीला पदार्थ खिलाकर महिला से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने करीब 100 होटल खंगाले। उस होटल की तस्दीक की जहां पर दुष्कर्म किया गया था। आरोपी का आधार कार्ड मिला। इसकी मदद से पुलिस आरोपी तक पहुंची। दोपहर बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया।कौशांबी की रहने वाली महिला के कुछ मुकदमे चल रहे हैं। उसी सिलसिले मेंह लखनऊ में आकर अफसरों से मिलकर पैरवी करना चाहती थीं।

सेंट जोसेफ में बच्चों के लिये नेत्र परीक्षण कैंप का आयोजन

सेंट जोसेफ के आई चेक-अप कैंप में बच्चों की उमड़ी भीड

सेंट जोसेफ स्कूल के स्वास्थय परीक्षण कैंप में हुयी बच्चों की आँखों की जॉच

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ. बच्चों को स्वस्थ्य व फिट रखने के लिये उनकी सही देखभाल, सही खान–पान की आदतों के साथ समय–समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षणा आवश्यक है। ये बात सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल ने विद्यालय समूह की राजाजीपुरम् शाखा में बच्चों के लिये आयोजित एक स्वास्थ्य परीक्षण कैंप में कही। इसी कड़ी में राजाजीपुरम् शाखा में बच्चों के लिये एक वृहद स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें सन हास्पिटल के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डा0 सुधीर श्रीवास्तव ने बच्चों के नेत्रों की जॉच की। इस कैंप में लगभग दो सौ से अधिक बच्चों का नेत्र परीक्षण किया गया।

कैंप में उपस्थित सभी बच्चों की आँखें स्वस्थ्य पायी गयी। केवल कुछ बच्चों के साथ समस्या होने पर उनके अभिभावकों को नेत्र विशेषज्ञ द्वारा सलाह भी दी गयी। इस अवसर पर सेंट जोसेफ विद्यालय समूह के प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने कहा कि विद्यालय समूह की सभी शाखाओं में बच्चों और शिक्षकों के लिये विशेषज्ञ डाक्टरों के निःशुल्क कैंपों का आयोजन किया जाता है। साथ ही रक्त दान, नेत्र दान जैसे जन हितकारी कैंपों का भी आयोजन किया जाता है।

हवन पूजन कर मनाई गई मुलायम सिंह की पुण्यतिथि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व मुख्यमंत्री स्वं मुलायम सिंह यादव की प्रथम पूण्यतिथि के अवसर पर निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के नेतृत्व में विधि–विधान से हवन पूजन कर श्रधांजलि अर्पित कर गोष्ठी का आयोजन किया गया वहीं गोष्ठी मे नेताजी के जीवन पर चर्चा करते हुए पूर्व एमएलसी लंलन प्रसाद यादव ने कहा कि नेताजी उत्तर भारत के बडें समाजवादी और किसान नेता रहें।एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेने वाले मुलायम सिंह ने अपना राजनीतिक जीवन उत्तर प्रदेश में विधायक के रूप में शुरू किया।और बहुत कम समय में ही मुलायम सिंह यादव का प्रभाव पूरे उत्तर प्रदेश में नजर आने लगा मुलायम सिंह ने उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़े वर्ग सामाजिक स्तर को ऊपर करने में महत्वपूर्ण कार्य किया वे सदा कमजोर गरीब की आवाज बने रहे। मुलायम सिंह यादव पहली बार 1967 में विधानसभा के सदस्य चुनें गयें और मंत्री बनें वे कई बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहें इसके अतिरिक्त वे केंद्र में रक्षा मंत्री के रूप भी रह चुके है मुलायम सिंह यादव जब भी पद पर रहे दलित पिछड़े अल्पसंख्यक, किसान नौजवान के लिए बेहतर काम करके दिखाने का काम किया है। मुलायम सिंह यादव सदा राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों में अटूट आस्था रही थी भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और शोषित पीडित वर्गों के हितों के लिए उनका अनवरत संघर्ष जारी रखा।। गोष्ठी में मुख्य रूप से पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, राहुल त्रिपाठी,राजेश यादव हिरालाल विश्कर्मा, श्रवण जयसवाल, राजेन्द्र टाइगर,डां मनोज यादव, इर्शाद मंसूरी, शुशील,विवेक रंजन, दीपचंद राम,मेवालाल गौतम,अमित यादव,डां जंग बहादुर यादव, संजीव साहू,अजमत अली,साजिद अलीम, लाल मोहम्मद रायनी, राजदेव पाल, अनवारुल गुड्डू, शर्मिला यादव,शकील मंशूरी, विकास सभासद, मनोज मौर्या, दिनेश फौजी,अनील दूबे,रामू मौर्या,धर्मेंद्र सोनकर डां जग बहादुर,अखिलेश यादव, हरिचंद प्रभाकर, शबनम नाज, अन्नू, लक्ष्मी शकर, आंनद मिश्रा आदि गोष्ठी का संचालन नि० महासचिव अंखड प्रताप यादव ने किया ।

भारत को विश्वगुरु एवं एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आवश्यक है कि मोदी पुन: प्रधानमंत्री बनें: अमित गुप्ता

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। लखनऊ में होने वाले क्षेत्रीय अनुसूचित मोर्चा सम्मेलन एवं विधानसभा स्तर पर होने वाले महिला सम्मेलन की रूपरेखा बनाने के लिए भाजपा जिला कार्यालय पर बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध यक्ष अमित गुप्ता एवं महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष गोदावरी मिश्रा विशिष्ट अतीत के रूप में मौजूद रही।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की।

मुख्य अतिथि अमित गुप्ता ने बैठक में मौजूद पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को विश्वगुरु एवं एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आवश्यक है कि मोदी पुनः प्रधानमंत्री बनें। भाजपा सरकार के विजयश्री अभियान को बनाए रखने के लिए पुनरू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अभूतपूर्व रिकॉर्ड सीटों से जिताकर भाजपा सरकार को बनाना है। केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार जनहित की तमाम योजनाओं के माध्यम से अंत्योदय के मंत्र से गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर लाने का प्रयास कर रही है। भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य से जुड़ी विश्व की सबसे बड़ी आयुष्मान योजना चलाई जा रही है। आज इस जनकल्याण योजना से देश के करोड़ों गरीब परिवार लाभान्वित हो रहे है। 5 लाख की धनराशि का यह कार्ड बिना किसी प्रीमियम के बनाया जा रहा है। अब तक गरीब व्यक्ति के लिए गंभीर बीमारी से ग्रस्त होना एक अभिशाप था, महंगे इलाज के कारण परिवार आर्थिक रूप से टूट जाता था। आज आयुष्मान योजना ने करोड़ो गरीब परिवारों को स्वास्थ्य के लहजे से मानसिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।

उन्होंने कहा देश और प्रदेश में बनी भाजपा सरकार ने माफिया राज को समाप्त करने का काम किया। यह सब तभी संभव हुआ जब हमने बूथ जीता, और बूथ तभी जीता जब हमारे देव तुल्य कार्यकर्ताओं ने दिन रात एक कर जनता के बीच जाकर भाजपा सरकार की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं का घर घर प्रचार किया। उसी का परिणाम है भाजपा निरंतर कोई भी चुनाव हो रिकॉर्ड मतों से जीतकर जनता की सेवा में लगी हुई है। उन्होंने बताया अवध क्षेत्र का अनुसूचित मोर्चा सम्मेलन लखनऊ में संपन्न होना है इसके लिए प्रत्येक बूथ से अनुसूचित मोर्चा के न्यूनतम पांच कार्यकर्ता जाएंगे। इसके निमित्त विधानसभावार जिम्मेदारी तय कर दी गई है।

बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा गोदावरी मिश्रा ने कहा कि प्रध ाानमंत्री मोदी ने लंबे समय से लंबित महिलाओं को विधायिका में आरक्षण की मांग को नारी शक्ति वंदन अधि ानियम के रूप में पारित कर अभूतपूर्व कार्य किया है पूरे देश की महिलाएं इसके लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन कर रही हैं इसी के निमित्त प्रत्येक विधानसभा में महिला सम्मेलन आयोजित होने हैं। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव हम सब की अग्नि परीक्षा का समय है। 2019 के परिणाम से और बड़ी जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं को सक्रियता से कार्य करने तथा सबको साथ लेकर कार्य करने की आवश्यकता है।

जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने बैठक में पदाधिकारियों, मंडल प्रभारियों, मंडल अध्यक्षों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विध ाानसभा में जीत का रास्ता बूथ में जीत से ही जाता है। बूथ जीता तो चुनाव जीता। भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य हासिल करने के लिए एक—एक बूथ को मजबूत करने की रणनीति बना कर आगे बढ़ रही है द्य भाजपा का पूरा फोकस प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाने में है द्य जिसके लिये भाजपा ने बूथ सशक्तिकरण अभियान आरंभ किया है। जब हम बूथ जीतते है तो पंच से लेकर प्रधानमंत्री तक का चुनाव जीतते है। बूथ जीतने का मतलब क्षेत्र की जनता का विश्वास और आशिर्वाद भाजपा के कार्यकर्ताओं पर बना हुआ है और यह आशिर्वाद हमारी मेहनत का फल है। भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह सबसे बड़ा पुरुस्कार है।

उन्होंने कहा कि भारत माता का यश आज पूरे विश्व में गुंजायमान है। यह तभी संभव हुआ जब कार्यकर्ताओं की अथक परिश्रम से एक सामान्य कार्यकर्ता हम सब के बीच से निकल भारत के उच्च पद पर आसीन हो सका। जिला अध्यक्ष ने कहा बूथ सशक्तिकरण अभियान के माध्यम से हम सबको पार्टी की मजबूती के लिए गंभीरता से कार्य करना है। बूथ मजबूत होने से पार्टी मजबूत होगी।

बैठक को एन वर्तमान जिला अध यक्ष सौरभ मिश्रा एवं पूर्व जिला अध यक्ष राम बहादुर सिंह ने भी संबोधित किया

बैठक का संचालन जिला महामंत्री इंजीनियर ओम वर्मा ने किया।

प्रमुख रूप से सदर सांसद जयप्रकाश रावत विधायक रामपाल वर्मा माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू अलका अर्कवंशी जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती क्षेत्रीय महामंत्री अनुसूचित मोर्चा पीके वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा रामकिशोर गुप्ता गुड्डू जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री एसपी मौर्य संदीप सिंह प्रीतेश दीक्षित संजय सिंह गुड्डू श्रवण कनौजिया विनोद राठौर जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला मीना वर्मा राम नंदिनी मंगतराम कोषाध यक्ष डॉक्टर अनुज गुप्ता मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी, कार्यालय मंत्री अतुल सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता, अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष महिपाल गौतम, आई टी प्रमुख सौरभ सिंह, सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न आनंद मिश्र, सत्यम शुक्ल, हर्षित मिश्र आदि मौजूद रहे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ. प्र. द्वारा प्रथम राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 द्वारा प्रथम राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 10.10.2023 को किया गया। परिषद द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन अब प्रतिवर्ष किया जायेगा। प्रदेश के सभी जनपदों से आये विद्यार्थियों द्वारा आर्टिफिशयल इंटेलीजेंश, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, आई0ओ0टी0, एक्वाफोनिक्स, सेंसर तकनीक जैसे नवीनतम विषयों पर आधारित मॉडल्स का प्रदर्शन।

प्रदेश के किसान, शिल्पकार, मजदूर, नवप्रवर्तकों द्वारा जन समस्याओं के समाधान पर आधारित नवाचार (वर्किंग मॉडल) का प्रदर्शन।

मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के बाल वैज्ञानिकों एवं नवप्रवर्तकों को पुरूस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

(क) विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के आयोजन के सम्बन्ध मेंरू

1. परिषद द्वारा अटल विहारी बाजपेयी, सांइटिफिक कन्वेन्शन सेन्टर, लखनऊ में प्रथम बार राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री योगेन्द्र उपाध्याय, मा. मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा तथा आई. टी. एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, उ. प्र. सरकार द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया एवं प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया।

3. कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नरेन्द्र भूषण, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उ. प्र. शासन एवं महानिदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 द्वारा की गयी।

4. इस प्रतियोगिता में कक्षा 9 व 11 के विद्यार्थीगण एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित ''वैश्विक कल्याण के लिये वैश्विक विज्ञान'' थीम पर आधारित विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किये गये।

5. राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में इसका आयोजन किया गया तथा जनपद स्तर के विजेताओं द्वारा मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की गयी। प्रदेश के सभी 18 मण्डलों राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर यह प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

6. विद्यार्थियों के अतिरिक्त परिषद द्वारा ग्रास रूट नवप्रर्वतकों के चिन्हींकरण एवं उनके प्रोत्साहन के उद्देश्य से परिषद द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में नवप्रवर्तन जनजागरूकता कार्यक्रम एवं नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन कराया गया।

7. परिषद द्वारा ग्रास रूट लेवल के नवप्रवर्तकों का चिन्हीकरण, मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहायता प्रदान किये जाने का कार्य किया जाता है। नवप्रवर्तक प्रायः ऐसे वर्ग से आते हैं जिनका शैक्षिक स्तर बहुत अच्छा नहीं होता है। अधिकांशतः नवप्रवर्तक अभावों और विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए अथवा अपने काम को किसी सरल तरीके से करने के लिए कोई नवीनतम आविष्कार को जन्म देते हैं और यह अन्वेषण नवप्रवर्तन कहलाता है। असंगठित क्षेत्र के अधि ाकतर नवप्रवर्तक किसान, मैकेनिक, मजदूर या शिल्पकार होते है। परिषद द्वारा नवप्रवर्तकों का मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता के साथ—साथ यह भी प्रयास किया जाता है कि कुछ नवप्रवर्तकों के मॉडलध्प्रोटोटाइप व्यवसायिक दृष्टिकोण से विकसित हो सकें। नवप्रवर्तकों के 33 मॉडलों का प्रदर्शन राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में दिनांक 10.10.2023 को किया गया।

8. इंजीनियरिंग कॉलेजध मेडिकल कॉलेज इत्यादि के प्रोफेसर्स द्वारा निर्णयाक मण्डल के रूप में मॉडल्स का मूल्याकंन किया गया।

बीमार ने बताया मानिए डाक्टर की सलाह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आजाद वेलफेयर एण्ड एजुकेशनल सोसाइटी अंतर्गत आजाद थिएटर के नवांगतुक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत उर्दू ड्रामा वाल्मीकि रंगशाला गोमती नगर में हुआ।

सआदत हसन मंटो के लिखे और मोहम्मद फुजैल के निर्देशन में मंचित इस नाटक में ये दिखाने का प्रयास किया गया है कि जब कोई व्यक्ति बीमार होता है, वो भी जब वो परदेस में हो तो कैसे—कैसे अनुभवों से गुजरता है। लोग उसे कैसे—कैसे परामर्श देते हैं कि बीमार व्यक्ति दुविधा में पड़ कर अपना सही इलाज नहीं करा पाता, इस दुविधा में रहता है कि वह किसकी सलाह माने किसकी नहीं। उसका नौकर भी अनपढ़, जिसे इलाज के बारे में कुछ भी पता नहीं। जिसने जो भी बताया वो लेने दौड़ पड़ा। नाटक में शिक्षाप्रद बात यह है कि जब भी कोई बीमारी हो तो किसी अनुभवी डॉक्टर से सलाह लेकर उसका इलाज करायें।

दूसरे मायनों में जब भी कोई मुसीबत या परेशानी आये तो किसी अनुभवी व्यक्ति से ही सलाह करें, जो उचित हो वही माने। साथ ही अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करें। नाटक में रजत वर्मा, मुकुल कुमार, आशुतोष अवस्थी, मोहम्मद आवेश, अनूप सोनवाल, सक्षम कपूर, डिम्पल सिंह ने अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। संचालक कमाल अख्तर के निवेदन पर अतिथियों के तौर पर डा सरदार मेहंदी और वरिष्ठ पत्रकार राजवीर रतन ने आजाद थियेटर में प्रशिक्षण पा रहे कलाकारों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

पाली थाने के नवागत प्रभारी निरीक्षक के रूप में अरविन्द कुमार राय ने संभाला कार्यभार

रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव

पाली—हरदोई' जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए एसपी केशव चंद गोस्वामी ने जिले की पुलिसिंग में फेरबदल करते हुए कई थानों के प्रभारी निरीक्षकों को इधर उधर कर दिया। इसी क्रम में पाली थाने की कमान अरविन्द कुमार राय को सौंपी गई है। पाली थाना के नवागत प्रभारी निरीक्षक के रूप में अरविन्द कुमार राय ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है।पाली थाने के प्रभारी निरीक्षक रहे धीरज कुमार शुक्ला को थाना अतरौली का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। थाना सण्डीला में अतिरिक्त निरीक्षक के पद पर रहे पाली थाने के नवागत प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद समस्त स्टॉफ से मुलाकात की और थाना परिसर में स्थापित सभी कार्यालयों का निरीक्षण करते हुए सभी को समयबद्ध ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनका निराकरण करना और पीड़ित को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी । सोमवार को पत्रकारों से प्रथम मुलाकात के अवसर पर उन्होंने कहा कि अपराध ी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और शांति बनाये रखने के लिए मीडिया का सहयोग मांगा। साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराधियों को अपराध करने की छूट नहीं दी जा सकती।

जो भी अपराध करेगा उसे सलाखों के पीछे भेजा जायेगा। जनता की सुरक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है और ईमानदारी के साथ निभाना भी है।आपको बता दें कि इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार राय की गिनती बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में की जाती है।और वह हमेशा अपने काम को बिना किसी दबाव के पूरा करने के लिये जाने जाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हुआ विधिक जागरूकता शिविर

हरदोई। (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुधाकर दुबे ने बताया कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आज जिला चिकित्सालय में मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । अपर जिला जज द्वारा चिकित्सालय प्रांगण में उपस्थित आमजनमानस से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई और कहा कि अपने जीवन मे उत्साह बनाये रखिये और खुश रहिये और सारी चिंताए छोड़ दीजिए मानसिक तनाव बिल्कुल मत लीजिये तथा अपर जिला जज द्वारा लोगो को विधिक सेवा प्राधिकरण के विषय मे विस्तृत रूप से जानकारी दी। अपर जिला जज द्वारा प्रतिदिन प्रातः योग करने हेतु आमजनमानस को जागरूक किया गया। इस अवसर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जे0के0 वर्मा, चिकित्सक शेर सिंह व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

नर्सिंग हमारे समाज की राखी है जो अपनी जिन्दगी को दूसरों की सेवा में अर्पित करते हैं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाबू युगराज सिंह कॉलेज ऑफ मेडिकल एंड साइंसेज बाघामऊ गोमती नगर सेक्टर— 6 लखनऊ में 6 अक्टूबर को नर्सिंग छात्रध्छात्राओं का हुआ शपथ ग्रहण समारोह । कार्यक्रम का शुभारम्भ उप चेयरमैन योगेश सिंह के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में अभय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन अभय प्रताप सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष फतेहपुर ने छात्रध्छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा " नर्सिंग हमारे समाज की राखी है जो अपनी जिन्दगी को दूसरों की सेवा में अर्पित करते हैं । "

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रणविजय सिंह ,एम0 एल0 सी0 गोंडा उत्तर प्रदेश ने छात्र/छात्राओं का उत्साह वर्धन एवम आशीर्वाद प्रदान किया, इन्होने नर्सिंग छात्रध्छात्राओं के बारे में उदाहरण स्वरुप कहा " यह नर्स की कला जिसे स्वास्थ्य देखभाल की राष्ट्रीय जिम्मेदारी कहा जाता है द्य"

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो0 डॉ0 जसमी मनु प्रधानाचार्य रामा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रामा यूनिवर्सिटी कानपुर, प्रो0 डॉ0 सुवीश यू0 एस0 उप प्राचार्य, सुमी आर0 एसोसिएट प्रोफेसर, रीजेंसी इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग कानपुर, स्वेता मसीह असिस्टेंट प्रोफेसर, बाबू युगराज सिंह कॉलेज ऑफ मेडिकल एंड साइंसेस के द्वारा बी0 एस0 सी0 नर्सिंग एवम ए0 एन0 एम0के नव प्रवेशित छात्रध छात्राओं को शपथ दिलाई गयी द्य

मिस आँचल सिंह, ट्यूटरबाबू युगराज सिंह कॉलेज ऑफ मेडिकल एंड साइंसेज के द्वारा नव प्रवेशित छात्रध्छात्राओं कोलैंप लाइटिंग एवम शपथ समारोह का महत्त्व बताया गया ।

कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त आनंद मिश्रा द्वितीय स्थान प्राप्त, श्रद्धा मिश्रा तृतीय स्थान प्राप्त विष्णु देव वर्मा को उपचेयरमैन योगेश सिंह, विभागाध्यक्ष नेहा देवल , प्रसाशनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह के द्वारा छात्रध्छात्राओं को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया द्य

" उत्साह 2.ए" कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सीनियर छात्रध्छात्राओं के द्वारा जूनियर छात्रध्छात्राओं का धूम ध ाम एवम रंगारंग कार्यक्रम के द्वारा स्वागत किया गया है कार्यक्रम मेंतरह—तरह के प्रस्तुति की गयी जिसमे छात्रध्छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवम कार्यक्रम को और भी सुसज्जित बनाया।

इस कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशेर रचित, मिस फ्रेशेर वंशिका, गर्ल विथ पर्ल अर्पिता आर्या, गायस विथ टाई रामेश्वर का चयन किया गया एवम इनको पुरुस्कार प्रदान किया गया ।

उत्साह 2.O कार्यक्रम का संचालन विमलेश तिवारी एवम आँचल शुक्ला के द्वारा किया गया ।

बी0 वाई0एस0 हॉस्पिटल के डायरेक्टर विजय प्रताप पाल (रिंकू पाल) के तरफ से सभी छात्रध्छात्राओं को इस खास दिन की बधाई एवं आशीर्वाद दिया गया।

अभय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशनके द्वारा सभी छात्रध्छात्रों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाये दी गयी ।

यातायात पुलिस ने किया पांच से अधिक वाहनों का चालान

नंबर प्लेट का दुरुपयोग व हेलमेट न होने पर हुई कार्रवाई

अयोध्या। मंगलवार को एसपी यातायात आर के गौतम के निर्देश पर यातायात निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने तीन टीमें गठित कर शहर के कई चौराहों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस चेकिंग अभियान में लगभग पांच सौ से अधिक वाहनों का चालान किया गया।इस संबंध में यातायात निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि यह अभियान खासकर उन वाहन चालकों के विरूद्ध किया गया जो अपने अपने वाहनों के नंबर प्लेट का गलत दुरुपयोग करते हुये दिखाई दिये।उन्होंने बताया कि जो वाहन चालकों ने वाहनों के नंबर पर,अधि ावक्ता,पत्रकार,शिक्षक सहित अन्य पद व जाति सूचक नाम को अंकित करायें हुए थे।

जिनके विरुद्ध यातायात पुलिस ने चालान काटा।उन्होंने बताया कि गलत नंबर प्लेट का दुरुपयोग करने वाले वाहन चालकों को के साथ साथ उन वाहन चालकों का भी चालान काटा गया जो वाहन स्वामी वाहन चलाते समय हेलमेट व वाहन से संबंधित कागजात नही रखे हुए थे। यातायात निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आज सोमवार को पूरे जिले में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें अकेले शहर में ही कुल तीन टीमों का गठन कर रिकाबगंज चौराहा,अग्रसेन चौराहा व शांति चौक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।सोमवार को शाम पांच बजे तक लगभग पांच सौ वाहनों का चालान किया गया। उन्होंने वाहन चालकों से अपील किया कि वे अपने अपने वाहनों के नंबर प्लेट पर हाई सिक्योरिटी नंबर अंकित कराकर, हेलमेट व वाहन के कागजात अपने पास रखें।

नि:शुल्क खाद्यान्न का वितरण 12 अक्टूबर से 25 अक्टूबर के मध्य किया जायेगा

रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई— जिला पूर्ती अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत माह अक्टूबर, 2023 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न को अन्त्योदय कार्डधारकों को 14 कि०ग्रा० गेहूं व 21 कि०ग्रा० चावल (कुल 35 कि०ग्रा० प्रति कार्ड) एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 02 कि०ग्रा० गेहूं व 03 कि०ग्रा० चावल (कुल 05 कि०ग्रा० प्रति यूनिट) निःशुल्क वितरण 12 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2023 के मध्य वितरण किया जायेगा। खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमातक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। उक्त योजनान्तर्गत वितरण की अन्तिम तिथि 25 अक्टूबर 2023 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाईल ओ०टी०पी० वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण सम्पन्न किया जा सकेगा।

यूपी में डेंगू का आंकड़ा 10 हजार पार, अस्पतालों में सबसे ज्यादा बुखार के पेशेंट

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डेंगू मरीजों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों की मानें तो प्रदेश में अब तक कुल 10 हजार 49 डेंगू पॉजिटिव केस रिपोर्ट हो चुके हैं। सबसे ज्यादा मरीज मुरादाबाद, लखनऊ, फिर गौतमबुद्ध नगर, कानपुर और गाजियाबाद में हैं।

महिला क्लब की अध्यक्षा अंजू चांडक ने विशेष बच्चों के दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुएँ भेंट कीं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक, महिला क्लब, लखनऊ मण्डल द्वारा दान उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

महिला क्लब की अध्यक्षा अंजू चांडक ने दृष्टि सामाजिक संस्थान के विशेष बच्चों के दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुएँ भेंट की। दृष्टि सामाजिक संस्थान के डायरेक्टर धीरेश बहादुर ने एसबीआई महिला क्लब का इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

दृष्टि के बच्चों ने क्लब की सदस्यों का उत्साहपूर्ण स्वागत किया एवं क्लब द्वारा प्रदान की जा रही सामग्री देख कर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर महिला क्लब की अन्य सदस्या और दृष्टि सामाजिक संस्थान के सदस्य उपस्थित रहे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0—7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार—पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।